Today's Poem – 28.06.2014

मायाजीत बनने के लिए गफलत करना छोड़ना

ना किसी को दुःख देना ना किसी से दुःख लेना

बाप की है एक आश

हम पवित्रता में हों फुल पास

बाप पर पूरा वारी जाना

दैवी गुण धारण करना

एक बाप की मत पर चलना

एम आब्जेक्ट को सामने रख बहुत खबरदारी से चलना

आत्मा को सतोप्रधान पवित्र बनाने की मेहनत करनी

अंदर से अपनी जाँच करनी

सोच समझकर हर कार्य करना

पश्चाताप से मुक्त होना

अपने गुणों और शक्तियों का दान देना

यही है मास्टर दाता बनना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!